ISSN: 2583-0511 (Online), www.pashupalakmitra.in

पशुपालन विभाग की योजनाएँ एवं सहकारी प्रणाली

डॉ. संजय कुमार मिश्र

उप निदेशक, पशुधन विकास, पशुपालन निदेशालय, उ०प्र०, लखनऊ

प्रगतिशील पशुपालकों के लिए प्रमुख सरकारी योजनाएँ

(क) राष्ट्रीय गोकुल मिशन

- देशी नस्लों का संरक्षण व संवर्धन
- आईवीएफ, एटी, सेक्सड सीमेन जैसी तकनीकों पर सब्सिडी
- गोकुल ग्राम, नंदीशाला, बछड़ा पालन योजना

(ख) डेयरी इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट फंड

- दूध प्रसंस्करण प्लांट, चिलिंग प्लांट, बल्क कूलर हेतु सस्ती ब्याज दर पर ऋण
- कोऑपरेटिव व प्राइवेट सेक्टर लाभ ले सकते हैं

(ग) पशुधन बीमा योजना

- गाय, भैंस, बकरी, भेड़ का बीमा
- **85%** तक प्रीमियम सब्सिडी
- बीमारी, दुर्घटना व मृत्यु की भरपाई

(घ) पशुपालक क्रेडिट कार्ड

- प्रति पशु **₹40,000** से **₹1,60,000** तक आसान लोन
- ब्याज में सब्सिडी, त्वरित ऑनलाइन प्रक्रिया

(ङ) राष्ट्रीय पशुधन मिशन

- बकरी, भेड़, मुर्गी पालन (साइलज व चारा बीज उत्पादन)
- प्रोजेक्ट लागत का **50%** तक सब्सिडी (अधिकतम **₹50** लाख)

(च) एनिमल हसबेंड्री इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट फंड

- ब्रीड मल्टीप्लिकेशन फार्म, फीड प्लांट, प्रोसेसिंग इकाई
- **30%** ब्याज सब्सिडी, क्रेडिट गारंटी सुविधा

(छ) राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (RKVY)

ISSN: 2583-0511 (Online), www.pashupalakmitra.in

- पशु अस्पताल, मोबाइल एआई यूनिट, इन्फर्टिलिटी कैंप
- प्रशिक्षण व क्षमता निर्माण

राज्य स्तरीय प्रमुख योजनाएँ

1. मुख्यमंत्री स्वदेशी गोसंवर्धन योजना

- स्वदेशी नस्ल (साहीवाल, थारपारकर, गिर, हरियाणा, गंगातीरी)
- **2** गायों पर **40%** अनुदान (अधिकतम **₹80,000)**
- महिलाओं के लिए **50%** आरक्षण

2. मुख्यमंत्री प्रगतिशील पशुपालक प्रोत्साहन योजना

- उच्च उत्पादन वाली स्वदेशी गायों को प्रोत्साहन
- **₹10,000–₹15,000** पुरस्कार

3. नन्दिनी कृषक समृद्धि योजना

- **25** गायों की डेयरी इकाई स्थापना
- कुल लागत **₹62.5** लाख, जिसमें **50%** अनुदान

4. मिनी नन्दिनी कृषक समृद्धि योजना

- **10** गायों की इकाई
- लागत **₹23.60** लाख
- **50%** तक अनुदान

2. कोऑपरेटिव सिस्टम का महत्व

- सामूहिक खरीद व बिक्री (चारा, दवाई, मशीनरी सस्ती दर पर)
- दूध का उचित मूल्य
- पारदर्शिता
- तकनीकी व प्रशिक्षण सहायता
- वित्तीय सुरक्षा (बैंक लोन, बीमा)
- मार्केट लिंकिंग व ब्रांडिंग से अतिरिक्त लाभ

ISSN: 2583-0511 (Online), www.pashupalakmitra.in

3. भारत एवं उत्तर प्रदेश में प्रमुख डेयरी कोऑपरेटिव

कोऑपरेटिव	मुख्य कार्यक्षेत्र
अमूल डेयरी	राष्ट्रीय स्तर, मार्केट मॉडल
पराग डेयरी	उत्तर प्रदेश
बनास डेयरी	प्रोसेसिंग व निर्यात
सरस डेयरी	प्रशिक्षण व चारा बैंक
सुधा डेयरी	पूर्वी भारत मॉडल

4. प्रगतिशील पशुपालक क्या करें

✓ कोऑपरेटिव / **FPO** में सदस्यता लें

- बेहतर दूध मूल्य व प्रोत्साहन

✓ सरकारी योजनाओं का उपयोग करें

- **KCC, DIDF, AHIDF, NLM**

✓ आधुनिक तकनीक अपनाएँ

- सेक्सड सीमेन, **IVF, TMR** फीडिंग

✓ बाजार से सीधे जुड़ें

- घी, पनीर, दही जैसे उत्पाद

✓ डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग

- ई-गोपाला ऐप, **i-Dairy,** पशुधन पोर्टल

5. निष्कर्ष

सरकारी योजनाएँ + कोऑपरेटिव मॉडल + आधुनिक तकनीक = सफल एवं लाभदायक पशुपालन